अमर उजाला 15/01/2022

ज्योतिष का ज्ञान वेदों के बिना अधूरा

संवाद न्यूज एजेंसी

जीएमएन कॉलेज में विशेषज्ञों ने बताया कर्मकांड और ज्योतिष शास्त्र का महत्व

अंबाला। जीएमएन कॉलेज में अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में विशेषज्ञों ने कर्मकांड और ज्योतिष शास्त्र का महत्व बताया। वक्ता डॉ. सुरेंद्र मोहन मिश्र निदेशक गुलजारीलाल नंदा शोध संस्थान कुरुक्षेत्र ने अपने प्रेरक उद्बोधन में ज्योतिष शास्त्र व कर्मकांड के व्यापक फलक पर वैचारिक मंथन किया। विशिष्ट अतिथि डॉ. केदारनाथ प्रभाकर, रामतीर्थ ज्योतिष अनुसंधान केंद्र सहारनपुर ने कहा कि यह शास्त्र हमारा सहचर है, क्योंकि आदि से अंत तक हमारी सारी जीवन प्रक्रिया इसी के साथ चलती है।

विशिष्ट अतिथि डॉ. अनुपमा आर्या प्राचार्य आर्य कन्या महाविद्यालय ने अपने उद्बोधन में कहा कि ज्योतिष का ज्ञान वेदों के ज्ञान के बिना अधूरा है। मालती आकल सडान (साउथ अफ्रीका) ने कहा कि हम अपनी परंपराओं से कट रहे हैं। इसलिए इन गंभीर और वैज्ञानिक विषयों को ठीक ढंग से समझ नहीं पा रहे हैं।

आमंत्रित अतिथि डॉ. अविनाश पूर्व विभागाध्यक्ष दर्शनशास्त्र नालंदा विश्वविद्यालय ने बताया कि भारतीय ज्योतिष शास्त्र का सम्मान नासा के वैज्ञानिक भी कर रहे हैं। डॉ. विभा अग्रवाल निदेशक प्राचार्य विद्या संस्थान कुरुक्षेत्र ने कहा कि हमारा दैनिक जीवन ज्योतिष शास्त्र से प्रभावित है। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. राजपाल सिंह ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया। कार्यक्रम की संयोजिका संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ. राजेंद्रा रही।